श्रीमती चन्द्रकला पाण्डेय: माननीय सभापति महोदय, मैं प्रश्न करने से पहले मंत्री जी से एक गुजारिश करना चाहूंगी। महोदय, पिछले दो वर्षों में खासकर गर्मी के मौसम में ऐसे सिंथेटिक दूध की सप्लाई की खबरें अखबारों में आती है फिर भी उत्तर ऐसा दिया गया है जैसे कुछ भी नहीं है और सब कुछ ठीक है, यह खेद की बात है। महोदय, मेरा पहला प्रश्न यह है कि दिल्ली के डिफरेंट इलाकों में दूध किन किन स्रोतों से पहुंचता है, क्या इस की जांच करने की सरकार की कोई योजना है? जो दूध वाले टंकी से दूध ले जाते है, सरकार उस की बिना बताए अचानक सैंपल इकट्ठा कर जांच करने की आने वाली गर्मी में कोई कार्यक्रम बनाने जा रही है? यही मेरा प्रश्न है, धन्यवाद।

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, we accept this suggestion. As I have already said in this House, for milk and milk products, a committee has been constituted, and we will prevail upon the committee to expedite its recommendations. And accordingly, we will proceed.

श्रीमती सरोज दुबे: माननीय सभापति महोदय, मंत्री जी ने यह बताया है कि सिंथेटिक दूध के बारे में इनके विभाग को कोई बहुत प्रमाण नहीं मिले हैं, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगी, दिल्ली अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि सिंथेटिक दूध पर जब ज्यादा खोजबीन होने लगती है तो उस दूध का पाउडर बनाकर बंगाल, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भेज दिया जाता है और यह सिंथेटिक पाउडर जोकि एक जहरीला दूध का पाउडर है, इस से मिठाई बनाई जा रही है। एक प्रकार से यह जहर विभिन्न रूपों में समाज में फैल रहा है, क्या आप ने इस के बारे में कोई जानकारी प्राप्त की है कि किस-किस प्रदेश में इस सिंथेटिक दूध की मात्रा बढ़ती जा रही है? नंबर दो, चूंकि अब गरमी आने वाली है, गरमी के दिनों में दूध की बहुत कमी हो जाती है और इस कारण गरमी के दिनों में सिंथेटिक दूध की मात्रा बहुत बढ़ जाती है। तो उस सिंथेटिक दूध की मात्रा को कम करने के लिए और उस पर रोक लगाने के लिए क्या आप ने कोई कारगर कदम उठाने की योजना बनाई है?

SHRI DALIT EZHILMALAI: Sir, I don't have anything to disagree with the hon. Member. if something is coming from neighbouring States to Delhi, this responsibility has been entrusted to the State Government. It is the responsibility of the State Government to lift samples and get them examined and then take steps. The State Government have been entrusted with this responsibility. They have their inspectors also. In Delhi, so many precautionary steps have been taken. In addition to PFA inspectors sub divisonal Magistrates have also been entrusted with this job. The Delhi Health Minister is holding periodical meetings to keep a check on it. Probably he will be able to contain it. He will be able to meet the demands of the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Question No. 244—Shri Ramoowalia.

SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Sir, Question No. 245 is on the same subject. Both these questions may be taken up together.

MR. CHAIRMAN: That is all right. We will take them together.

नेशनल बोर्ड आन मेडिसिनल प्लान्ट्स

@*244. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:†**
श्री राज मोहिन्दर सिंह:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में नेशनल बोर्ड आन मेडिसिनल प्लान्ट्स नामक एक संस्था, का गठन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो बोर्ड के ढांचे के संबंध में विस्तृत ब्यौरा क्या है और इसके रख-रखाव एवं कार्यकरण हेतु कितनी वार्षिक राशि आवंटित की गई है, और

(ग) बोर्ड को क्या-क्या जिम्मेदारियां सौंपी गई है?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI DALIT EZHILMALAI): (a) No Sir.

(b) & (c) Do not arise.

@तारांकित प्रश्न संख्या 244 और 245 साथ-साथ लिये गये।
†सभा में यह प्रश्न श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया द्वारा पूछा गया।